चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

चार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	क
दैनिक जागरण	27.9.26	4	2

प्री-स्कूल शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में भाषा व संचार का विकास करना है

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की प्री-स्कूल प्रयोगशाला का पुनः शुभारंभ किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति ने कहा कि प्री-स्कूल शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चों को वर्णमाला और गिनती सिखाना नहीं है, बल्कि उनमें भाषा एवं संचार कौशल, आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक व्यवहार जैसे गुणों का विकास करना भी है। बच्चे का सीखना स्कूल जाने से बहुत पहले ही शुरू हो जाता है। प्रारंभिक बाल्यावस्था में बच्चे खेल, अनुभव, प्रश्न पूछने तथा अपने आसपास के वातावरण से सीखते हैं। इसलिए इस अवस्था में बच्चों को ऐसा सुरक्षित और अनुकूल वातावरण उपलब्ध करवाना आवश्यक है, जहां वे स्वतंत्र रूप से सीख सकें।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. मोनिका शर्मा ने बताया कि विभाग की स्थापना वर्ष 1979 में हुई थी तथा दो से छह वर्ष के बच्चों के लिए प्री-स्कूल प्रयोगशाला की स्थापना वर्ष 1993 में की गई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान प्रयोगशाला का संचालन बंद करना पड़ा था।

रिबन काटकर प्री-स्कूल प्रयोगशाला का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27.9.26	5	7-8

हकृवि में प्री-स्कूल प्रयोगशाला का पुनः शुभारंभ

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की प्री-स्कूल प्रयोगशाला का शनिवार को पुनः शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रिबन काटकर प्रयोगशाला का शुभारंभ किया। कुलपति ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनके द्वारा तैयार गतिविधियों की सराहना की। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि विभाग की स्थापना 1979 में हुई थी, जबकि 2 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्री-स्कूल प्रयोगशाला की स्थापना 1993 में की गई थी। कोरोना महामारी के दौरान इसका संचालन बंद करना पड़ा था।कार्यक्रम का आयोजन सहायक वैज्ञानिक डॉ. वर्षा सैनी ने किया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक, सहायक प्राध्यापक डॉ. अन्नू व डॉ. रीना ने आयोजन में सहयोग दिया। डॉ. रजनी खन्ना ने आभार व्यक्त किया। मंच संचालन छात्रा साक्षी ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	27-9-26	5	5-5

हकृवि में प्री-स्कूल प्रयोगशाला का पुनः शुभारंभ

हिसार, 26 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की प्री-स्कूल प्रयोगशाला का पुनः शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति ने महाविद्यालय में

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

र पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीत समाचार	27.9.26	11	1-3

हकृवि में प्री-स्कूल प्रयोगशाला का पुनः शुभारम्भ

हिसार, 26 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की प्री-स्कूल प्रयोगशाला का पुन : शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि प्री-स्कूल शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चों को वर्णमाला और गिनती सिखाना नहीं है, बल्कि उनमें भाषा एवं संचार कौशल, आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक व्यवहार जैसे गुणों का विकास करना भी है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रिबन काटकर प्री स्कूल प्रयोगशाला का शुभारम्भ करते हुए।

कुलपति ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में मधुकामिनी का पौधा भी लगाया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि विभाग की स्थापना वर्ष 1979 में हुई थी तथा 2 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्री-स्कूल प्रयोगशाला की स्थापना वर्ष 1993 में की गई थी। डॉ. मोनिका शर्मा ने कहा कि प्री-स्कूल प्रयोगशाला से बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को भी लाभ मिलेगा। यहां विद्यार्थी अपने विषय का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे, जबकि शोधार्थियों को प्रारंभिक बाल्यावस्था के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर शोध करने के अवसर प्राप्त होंगे। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक, सहायक प्राध्यापक डॉ. अन्नु एवं डॉ. रीना ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रजनी खत्रा ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्रा साक्षी ने किया।